ईश्वर आपको मार सकते हैं यदि आप उनकी नजरों में बुरे हैं।

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 1

Mwanzo 38:6-7
“यहोदा ने अपने बड़े पुत्र एरी की पत्नी से विवाह किया, और
उसका नाम था तमारी।
7 परन्तु एरी, यहोदा का बड़ा पुत्र, यहोवा की नजर में बुरा
था; और यहोवा ने उसे मार डाला।”

हमें याद रखना चाहिए कि ईश्वर इस दुनिया में हमारे हर कर्म को देख रहे हैं। और जब हम उनकी निर्धारित सीमाओं को पार करते हैं, तो हम अपने ही जीवन को खतरे में डालते हैं।

नीचे कुछ चीजें दी गई हैं जिन्हें ईश्वर पसंद नहीं करते। यदि ये आपकी जिंदगी में मौजूद हैं, तो सुनिश्चित करें कि उन्हें जल्द से जल्द दूर करें। हमने पहले भी सीखा है, लेकिन इसे दोबारा याद करना लाभकारी है, ताकि यह हमारे दिलों में गहराई से बैठ जाए।

हम इन्हें पढ़ सकते हैं:

Mithali 6:16-19

ईश्वर आपको मार सकते हैं यदि आप उनकी नजरों में बुरे हैं।

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 2

“ये छह बातें हैं जिन्हें यहोवा घृणा करते हैं, हाँ, सात चीजें जो उसे घृणित हैं:
17 घमंडी दृष्टि, झूठा जुबान, और निर्दोष रक्त बहाने वाले
हाथ;
18 बुरा विचार करने वाला हृदय, बुराई की ओर जल्दी भागने वाले पैर;
19 झूठा गवाह जो झूठ बोलता है, और भाई-भाई में कलह फैलाने वाला।”

घमंडी दृष्टि (Pride)

घमंड का मतलब है खुद को दूसरों से बेहतर समझना, दूसरों को नीचा दिखाना, सलाह या चेतावनी न मानना, और दूसरों की मदद न करना। ऐसे लोग ईश्वर की नजर में घृणित हैं। बाइबल में नबली नामक व्यक्ति इसका उदाहरण है। उसने दाऊद की मदद के बावजूद उसकी संपत्ति का तिरस्कार किया और अंततः ईश्वर ने उसे मार दिया। (1 शमूएल 25:1-38)

घमंड सिर्फ धन या स्थिति के लिए नहीं है। यदि आपके पास स्वास्थ्य, शक्ति, सफलता है और जब ईश्वर की बात सुनी जाए तो आप उसे तिरस्कार करते हैं, उसे मजाक बनाते हैं और उनका अनादर करते हैं, तो आप भी खतरे में हैं।

ईश्वर आपको मार सकते हैं यदि आप उनकी नजरों में बुरे हैं।

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 3

झूठा जुबान (Lying Tongue)

शैतान को दंडित करने का कारण उसके झूठ थे। यीशु ने कहा: यूहन्ना 8:44
“आप अपने पिता, शैतान के हैं, और आपके पिता की इच्छाएँ आप
करना चाहते हैं। वह प्रारंभ से हत्यारा था और सत्य में खड़ा नहीं रहा, क्योंकि उसमें सत्य नहीं था। जब वह झूठ बोलता है, तो वह अपने स्वभाव का बोलता है; क्योंकि वह झूठा है और उसका पिता भी।”

यदि हम लगातार झूठ बोलते हैं, तो क्या ईश्वर इससे प्रसन्न होंगे? बिलकुल नहीं। झूठ हमारे और ईश्वर के बीच संबंध को नुकसान पहुँचाता है।

निर्दोष रक्त बहाने वाले हाथ (Hands that shed innocent blood)

ईश्वर हत्यारों को घृणा करते हैं। केवल हथियार उठाने या हिंसक योजना बनाने से भी अपराध गंभीर बनता है। ऐसे कर्म आपके जीवन को आध्यात्मिक और भौतिक रूप से खतरे में डाल सकते हैं। (मत्ती 5:21-22)

ईश्वर आपको मार सकते हैं यदि आप उनकी नजरों में बुरे हैं।

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 4

बुरा विचार करने वाला हृदय (Heart that devises evil thoughts)

यह वह हृदय है जो सकारात्मक विचार नहीं करता, बल्कि हमेशा व्यभिचार, छल, अन्याय और लालच की योजना बनाता है। ऐसे लोग ईश्वर के क्रोध के अधीन हैं।

बुराई की ओर जल्दी भागने वाले पैर (Feet swift in running to evil)

यदि कोई व्यक्ति आसानी से बुराई की ओर दौड़ता है, जैसे चोरी, धोखा या व्यभिचार में शामिल होना, तो उनका अंत दुखद होता है। (नीतिवचन 1:16, 7:5-27)

झूठा गवाह (False witness)

ऐसे लोग केवल झूठ बोलते ही नहीं, बल्कि इसे सत्य की तरह प्रस्तुत करते हैं। यह ईश्वर के दृष्टिकोण में अत्यंत घृणित है। (1 राजा 21:1-16)

भाई-भाई में कलह फैलाने वाला (One who sows discord among brethren)

ऐसे लोग विश्वासियों के बीच वैमनस्य और कलह पैदा करते हैं। यीशु ने प्रार्थना की कि उनके अनुयायी एकता और प्रेम में रहें (यूहन्ना 17)। ऐसे व्यक्ति ईश्वर को नापसंद हैं।

इसलिए, हमें इस दुनिया में ईश्वर का भय रखते हुए रहना चाहिए।

ईश्वर आपको मार सकते हैं यदि आप उनकी नजरों में बुरे हैं।

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 5

हमें यह भूलना नहीं चाहिए कि ईश्वर हमारी हर क्रिया देख रहे हैं। जैसे यहूदा का पुत्र अपनी बुरी प्रवृत्तियों के कारण मारा गया, वैसे ही हमें भी अपने जीवन से बुराईयों को दूर रखना चाहिए।

ईश्वर आपको आशीर्वाद दें।

कृपया इस सुसमाचार को दूसरों के साथ साझा करें।

पूजा/आध्यात्मिक मार्गदर्शन/सलाह/प्रश्न: कॉल करें

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp